रासो या वीरगाथा साहित्य की विशेषताएँ

रासो काव्य की मूल प्रकृति सांमतो और राजाओं के शौर्य और विलास का अतिरंजित चिञ प्रस्तुत करना है

Scanned by CamScanner

विशेषताएँ

रचनाओं की संदिग्धता

स्तुति प्रधानता

दरबारी साहित्य

वीर की क्रोड में शृंगार रस

Scanned by CamScanner

वर्णनात्मकता

युध्दों का सजीव वर्णन

काव्य रुपों में विवधता का अभाव

छंदों का बहुमुखी प्रयोग

डिंगल और पिंगल भाषा शैली

Scanned by CamScanner